रिपोर्ट:

दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी - " पर्यावरणीय रणनीतियाँ: आधुनिक व्यवसाय परिदृश्य में हरित वित्त, विपणन और मानव संसाधन "

आयोजन तिथि: 12-13 फरवरी 2024

संगोष्ठी का उद्घाटन: 12 फरवरी, सुबह 10:00 बजे

वाणिज्य विभाग, विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय, दुर्ग द्वारा 12-13 फरवरी 2024 को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हॉल, में "SUSTAINABLE STRATEGY: GREEN FINANCE, HR & MARKETING IN THE MODERN BUSINESS LANDSCAPE" " संपोषणीय व्यावसायिक रणनीतियाँ : आधुनिक व्यापार परिदृश्य में हरित वित्त, मानव संसाधन और विपणन " पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय संगोष्ठी 12 फरवरी 2024 को उद्घाटन सत्र के साथ शुरू हुई, उद्घाटन कार्यक्रम का संचालन पूर्व में शोधार्थी के तौर पर रही डॉ.अलका पाण्डेय, असिस्टेंट प्रोफेसर के द्वारा किया गया । अतिथि के तौर पर डॉ.आर.एन.सिंह, इस कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दकी ,विशेष अतिथि/मुख्य वक्ता डॉ. शैलेंद्र सिंह भदौरिया, प्रोफेसर, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (मध्यप्रदेश) और डॉ. अमित मंगलानी, एसोसिएट प्रोफेसर ,गुरु

घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय, बिलासपुर, डॉ.ओमप्रकाश गुप्ता, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एच.पी. सलूजा, डॉ. एस.एन झा, डॉ. प्रदीप जांगड़े, डॉ. लाली शर्मा सम्मलित रहे ।

दीप प्रज्वलन के साथ ही कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 10:30 बजे डॉ. प्रदीप जांगड़े के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने बताया, कि इस राष्ट्रीय सेमिनार में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों जैसे - असम, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलेंगाना, तमिलनाडू एवं मध्य प्रदेश के कुल 230 प्राध्यापक तथा शोधार्थियों ने पंजीयन कराया एवं इसके साथ ही महाविद्यालय के एम.कॉम एवं बी.कॉम 300 छात्र - छात्राओं ने भाग लिया ।

डॉ. प्रदीप जांगड़े संगोष्ठी कार्यक्रम के बारे में डायस गणमान्य और पूरे दर्शकों को संबोधित करते हुए।

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए गणमान्य द्वारा राष्ट्रिय संगोष्ठी की शोध संक्षेपिका का विमोचन किया गया।

दर्शकों के समक्ष गणमान्य द्वारा शोध संक्षेपिका का प्रकाशन

तत्पश्चात कार्यक्रम को दिशा देते हुए डॉ. एच.पी.एस सलूजा ने गणमान्य और दर्शकों को संबोधित किया। उन्होंने सतत विकास की दिशा में आधुनिक व्यवसाय में हरित वित्त, मानव संसाधन और विपणन के योगदान पर प्रकाश डाला। उद्घाटन सत्र का समापन वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एस.एन झा के धन्यवाद् ज्ञापन के साथ हुआ ।

डॉ. एचपीएस सलूजा गणमान्य और दर्शकों को संबोधित करते हुए

प्रथम तकनीकी सत्र - हरित वित्त;12 फरवरी 2024 12:00 बजे

इस सत्र का प्रारंभ 12 फरवरी को 12:00 बजे हुआ। मंच का संचालन श्रध्दा गुप्ता द्वारा किया गया। जिसके मुख्य वक्ता डॉ. अमित मंगलानी रहे । डॉ.अमित मंगलानी ने हरित वित्त पर अपने विचार रखे। उन्होंने हरित वित्त, सततविकास के लक्ष्य तथा संपोषणीय व्यावसायिक रणनीतियाँ एवं इसके महत्व पर प्रकाश डाला। उनके विचारों के बाद हरित वित्त पर कागज़ी प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न प्रतिभागियों ने सेमिनार विषयवस्तु पर आधारित अपने शोध पत्र विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि के समक्ष प्रस्तुत किये । इस सत्र के अध्यक्ष डॉ.ओमप्रकाश गुप्ता एवं रिपोर्टर डॉ. साधना बागची रहे तथा वी. सुधाकर राव को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. अमित मंगलानी हरित वित्त पर अपने विचार साझा करते हुए

द्वितीय तकनीकी सत्र - मानव संसाधन:

दोपहर के खाने के बाद, मानव संसाधन पर दूसरे तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। मंच का संचालन अनुज वाजपई द्वारा किया गया ।द्वितीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी, अमरकंटक

(म.प्र), वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्रसिंह भदौरिया रहे । उन्होंने मानव संसाधन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने हरित वित्त, मानव संसाधन प्रथाओं, और विपणन रणनीतियों की समस्ययों एवं समाधान पर बात की । उनके विचारों के बाद मानव संसाधन पर कागज़ी प्रस्तुतियों का आयोजन किया गया, इस सत्र के अध्यक्ष डॉ धर्मेंद्र सिंह एवं रिपोर्टर डॉ. गौरव शर्मा रहे। जिसमें अध्ययनार्थी कुंदन जांगड़े को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. शैलेंद्रसिंह भदौरिया मानव संसाधन पर अपने विचार प्रस्तुत करते हुए

तृतीय तकनीकी सत्र - हरित विपणन ; 13 फरवरी 2024, 10:00 बजे

तृतीय तकनीकी सत्र 13 फरवरी को सुबह 10:00 बजे आयोजित किया गया। मंच का संचालन नीलम सिंह द्वारा किया गया । राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस की शुरुआत ज्ञान, बुद्धिमत्ता और कलात्मकता की प्रतीक देवी मां सरस्वती के पवित्र आह्वान के साथ हुई। विशेष अतिथि डॉ. संजीव प्रसार,प्रध्यापक ,भारतीय प्रबंधन संस्थान, रायपुर एवं डॉ. अमित अग्रवाल प्रध्यापक,आई.आई.आई.टी, रायपुर शामिल रहे शुभ शुरुआत के बाद, मंच की शोभा बढ़ाते हुए अतिथि वक्ता डॉ. संजीव प्रसार प्रध्यापक ने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक चुनौतियों के बीच समानताएं दर्शाते हुए महाभारत की महाकाव्य कथा में अंतर्निहित सतत विकास के सिद्धांतों

का उदाहरण दिया। उन्होंने स्पष्ट रूप से बताया कि कैसे महाकाव्य में समाहित कालातीत ज्ञान समकालीन पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक मुद्दे हमारे जीवन मूल्य को बतलाते है ।

डॉ. संजीव प्रसार महाकाव्य में समाहित कालातीत ज्ञान दर्शकों को बतलाते हुए

तृतीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता डॉ. अमित अग्रवाल ने हरित विपणन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने नए व्यवसाय में जोखिम कम करना और प्रतिस्पर्धी दुनिया में व्यवसाय को कैसे बनाए रखना के बारे में बताया । उनके विचारों के बाद हरित विपणन पर शोध पत्र प्रस्तुत किया गया, जिसमें अध्ययनार्थी विजय साहू को सर्वश्रेष्ठ पेपर प्रस्तुति पुरस्कार प्रदान किया गया।

डॉ. अमित अग्रवाल प्रतिस्पर्धी दुनिया में व्यवसाय को कैसे बनाए रखना के बारे में बताते हुए

अंतिम सत्र - समापन सत्र ; 13 फरवरी 2024, दोपहर 3:00 बजे

महाविद्यालय के संरक्षक प्राचार्य महोदय सफल कार्यक्रम की बधाई एवं कार्यक्रम के समापन की अनुमति देते हुए

संगोष्ठी का अंतिम सत्र 13 फरवरी को दोपहर 3:00 बजे मनाया गया। इस कार्यक्रम के प्रतिक चिन्ह के रूप में सेमिनार के संरक्षक प्राचार्य डॉ एम.ए.सिद्दकी, संयोजक डॉ.एच.पी सलूजा, सह-संयोजक एस.एन झा, आयोजन सचिव डॉ.प्रदीप जांगड़े , सह-आयोजन सचिव डॉ. लाली शर्मा एवं आमंत्रित अतिथियों को मोमेंटो तथा प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा विभिन्न समिति सदस्यों और प्रतिभागियों को मुख्य अतिथियों के द्वारा प्रमाण पत्र वितरित कर प्रोत्साहित किया गया।

सर्टिफिकेट्स लेते छात्र-छात्राए एवं शोधार्थीगण

तत्पश्चात संयोजक डॉ.एच.पी सलूजा एवं एम.कॉम के विद्यार्थीयों ने धन्यवाद ज्ञापित किया और आपने अनुभव साझा किए। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के एम.कॉम, बी.कॉम, एन.सी.सी एवं एन.एस.एस के छात्र - छात्राओं ने भी सेमिनार को सफल बनाने में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस दो दिवसीय राष्ट्रिय

सेमिनार में छत्तीसगढ़ के विभिन्न जिलों अम्बिकापुर, मुंगेली, कोरबा, रायगढ़, बिलासपुर, रायपुर, राजनांदगांव, धमतरी, कांकेर, सुकमा, दंतेवाड़ा, दुर्ग,पेण्ड्रा और मानपुर के विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालय के प्रध्यापक, सहायक प्रध्यापक और शोधार्थी शामिल हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. एम.ए. सिद्दीकी ने सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया तथा कार्यक्रम की पूर्ण सफलता की बधाई दी एवं कार्यक्रम समापन घोषणा की अनुमति से गई। कार्यक्रम के सफल आयोजन में अतिथि व्याख्याता डॉ, गोविन्द गुप्ता, निशित साहू, सोमनाथ डनसेना, प्रिया अग्रवाल, नूतन देशमुख, रानू देशलहरे तथा शोधार्थी कुंदन जांगड़े, आदित्य नारंग, ओमप्रकाश वर्मा, सागर साहू, श्रद्धा गुप्ता, नीतू डोंगरे, अनुज वाजपेयी, निधि मिश्रा, नितेश अकेला एवं अन्य शोधार्थी शामिल रहे।

संगोष्ठी में आधुनिक व्यवसाय परिदृश्य में हरित रणनीतियों के महत्व को बढ़ावा दिया और विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञों की अवधारणाओं को समझने का मौका प्रदान किया। संगोष्ठी का उद्घाटन और अन्य तकनीकी सत्रों में महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई और विभिन्न अध्ययनार्थियों ने अपने अनुसंधान का प्रस्तुतिकरण किया। अंततः राष्ट्रिय संगोष्टी का उद्देश्य पूरा हुआ और कार्यक्रम सफल रहा।

सेमिनार आयोजन कर्ता : वाणिज्य विभाग

शोधार्थीगण विभिन्न विषयों पर शोध पत्र प्रस्तुत करते हुए

सेमिनार का फीडबैक देते छात्र एवं शोधार्थी

बेस्ट पेपर का अवार्ड लेते शोधार्थी

मंच संचालन की अहम् भूमिका निभाते शोधार्थी

नवभारत
छत्तीसगढ़ • ओडिशा
Bhilai City - 15 Feb 2024 - 15bh2
epaper.navabharat.news

नवभारत my city दुर्ग शहर

आधुनिक व्यापार परिदृश्य में हरित वित्त पर फोकस

साइंस कॉलेज में दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार, असम, यूपी, प. बंगाल, तेलेंगाना, तमिलनाडू एवं मध्यप्रदेश के प्राध्यापक व शोधार्थी पहुंचे

दुर्ग। विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग द्वारा प्रायोजक पीएम उषा के तहत संपोषणीय व्यावसायिक रणनीतियां, आधुनिक व्यापार परिदृश्य में हरित वित्त, मानव संसाधन और विपणन विषय अंतर्गत दो दिवसीय राष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन 12 एवं 13 फरवरी को किया गया। संगोष्ठी के प्रथम दिवस पर उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. आरएन सिंह, कार्यक्रम अध्यक्ष प्राचार्य डॉ. एमए सिद्दकी, आमंत्रित अथिति डॉ. शैलेंद्र सिंह भदौरिया, डॉ. अमित मंगलानी, डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता, वाणिज्य एवं प्रबंधन विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. एचपी सलूजा, डॉ. एसएन झा, डॉ. प्रदीप जांगड़े एवं डॉ. लाली शर्मा ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया। इस राष्ट्रीय सेमिनार में छत्तीसगढ़ सहित देश के विभिन्न राज्यों असम, उत्तरप्रदेश, पश्चिम बंगाल, तेलेंगाना, तमिलनाडू एवं मध्यप्रदेश के कुल 230 प्राध्यापक तथा शोधार्थियों ने पंजीयन कराया एवं महाविद्यालय के एमकॉम एवं बीकॉम के 300 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया।

शोधार्थियों ने प्रस्तुत किए शोधपत्र

तृतीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता अमित अग्रवाल, प्रध्यापक आईआईआईटी, रायपुर ने नए व्यवसाय में जोखिम कम करना और प्रतिस्पर्धी दुनिया में व्यवसाय को कैसे बनाए रखना पर अपने विचार व्यक्त किए। शोधार्थी तथा एमकॉम के विद्यार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रस्तुत किए।

प्रथम तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में गुरु घासीदास केंद्रीय विश्वविद्यालय बिलासपुर के प्राध्यापक डॉ. अमित मंगलानी ने हरित वित्त सतत विकास के लक्ष्य तथा संपोषणीय व्यावसायिक रणनीतियां एवं इसके महत्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के अगले चरण में विभिन्न प्रतिभागियों ने सेमिनार विषयवस्तु पर आधारित अपने शोध पत्र विषय विशेषज्ञ एवं मुख्य अतिथि के समक्ष प्रस्तुत किया। इस सत्र के अध्यक्ष डॉ. ओमप्रकाश गुप्ता एवं रिपोर्टर डॉ. साधना बागची रहे तथा इस सत्र में वी. सुधाकर राव को बेस्ट प्रेसेंटर का अवार्ड मिला। द्वितीय तकनीकी सत्र के मुख्य वक्ता के रूप में इंदिरा गांधी नेशनल ट्राइबल यूनिवर्सिटी अमरकंटक (मप्र) वाणिज्य विभाग के प्राध्यापक डॉ. शैलेंद्र सिंह भदौरिया ने अपने हरित वित्त, मानव संसाधन प्रथाओं और विपणन रणनीतियों की समस्ययों एवं समाधान पर अपनी बात रखी। इस सत्र के अध्यक्ष डॉ. धर्मेंद्र सिंह एवं रिपोर्टर डॉ. गौरव शर्मा रहे। द्वितीय तकनीकी सत्र का बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड कुंदन जांगड़े को प्रदान किया गया।

महाभारत की महाकाव्य कथा को किया कोड

राष्ट्रीय संगोष्ठी के द्वितीय दिवस अतिथि वक्ता डॉ. संजीव प्रसार प्रध्यापक भारतीय प्रबंधन संस्थान रायपुर ने प्राचीन ज्ञान और आधुनिक चुनौतियों के बीच समानताएं दर्शाते हुए महाभारत की महाकाव्य कथा में अंतर्निहित सतत विकास के सिद्धांतों का उदाहरण दिया।

विजय कुमार को बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड

विजय कुमार सहायक प्राध्यापक का उत्कृष्ट शोध पत्र प्रस्तुति के लिए उन्हें बेस्ट प्रेजेंटर अवॉर्ड प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के प्रतीक चिन्ह के रूप में सेमिनार के संरक्षक प्राचार्य डॉ. एमए सिद्दकी, संयोजक डॉ. एचपी सलूजा, सहसंयोजक एसएन झा, आयोजन सचिव डॉ. प्रदीप जांगड़े, सहआयोजन सचिव डॉ. लाली शर्मा एवं आमंत्रित अतिथियों को मोमेंटो तथा प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

HOD
Department of Commerce

Principal
Govt. V.Y.T. P.G. Autonomus
College, Durg (C.G.)

Principal
Govt.V.Y.T.PG autonomous College, Durg